MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION

// UNIVERSITY LIBRARY //

-: NEWS CLIPPING SERVICE -:

DATE :- 31 January, 2026

MCU NEWS

मुख्यमंत्री ने माखनलाल चतुर्वेदी को किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की माटी के लाल, स्वतंत्रता सेनानी, कवि, लेखक और पत्रकार श्रद्धेय माखनलाल चतुर्वेदी की कृतियां राष्ट्रसेवा, समाज के नवनिर्माण और लोक कल्याण की प्रेरणा स्रोत हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
SWADESH 31-01-2026 Page 2

सुबह सवेरे
A Daily News Magazine
31 Jan 2026 - Page 2

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL
LIBRARY

एमसीयू में मौन, प्रशिक्षण और पुष्पांजलि

भोपाल। आज विश्वविद्यालय की संबद्ध अध्ययन संस्थाओं के संचालकों के लिए उच्च शिक्षा विभाग म. प्र. शासन और विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार आज शहीद दिवस(महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि) पर स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान देने वाले बलिदानियों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखा गया। आज ही पंडित माखनलाल चतुर्वेदी जी की पुण्यतिथि भी है इसलिए विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित दद्दाजी की प्रतिमा पर माननीय मंत्रीजी के साथ विश्वविद्यालय के कुलगुरु एवं अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र हेतु उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार स्वयं उपस्थित थे। इस अवसर पर मंचस्थ विश्वविद्यालय के मा. कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी, कुलसचिव डॉ पी शशिकला, निदेशक एएसआई डॉ आशीष जोशी एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेश पाठक क्र के साथ बड़ी संख्या में संस्थाओं के संचालक मध्यप्रदेश के लगभग सभी जिलों से उपस्थित थे।

उदघाटन सत्र में विश्वविद्यालय के एआईएसएचई नोडल अधिकारी के रूप में संस्थाओं के प्रतिनिधियों से एआईएसएचई की संकल्पना, विश्वविद्यालय की भूमिका, संबद्ध अध्ययन संस्थाओं से अपेक्षा आदि विषय पर संवाद करने का अवसर मिला।

प्रशिक्षण के दौरान तकनीकी सत्र उच्च शिक्षा विभाग के स्टेट नोडल कार्यालय से डॉ ममता श्रीवास्तव एवं डॉ संजय गुलाटी ने लिए।

बाद के सत्रों में विश्वविद्यालय के एएसआई विभाग द्वारा संस्थाओं के सुचारू संचालन हेतु किए जा रहे नवाचारों, युगानुकुल आरंभ किए जाने वाले नवीन पाठ्यक्रमों, परीक्षा प्रक्रिया की चुनौतियों के समाधानों आदि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम के बाद मा. उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वामी विवेकानंद के चित्र का अवलोकन कर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

स्वदेश ज्योति

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
SWADESH JYOTI 31-01-2026 Page 04

अतीत के संघर्षों और बलिदानों से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा : परमार

स्वदेश ज्योति संवाददाता, भोपाल

उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों, धरोहरों और परंपराओं को वर्तमान ज्ञान से जोडक़र आगे बढने वाले मीडिया संस्थान -जैसे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय -विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमें अतीत के संघर्षों और बलिदानों से सीख लेकर आगे बढना होगा, तभी भारत पुनः विश्वगुरु बन सकेगा। श्री परमार माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय

मनोहर तिवारी ने की। उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने कहा कि भारत की प्राचीन परंपरा अत्यंत गौरवशाली रही है। एमसीयू द्वारा सौ वर्षों की धरोहरों पर आधारित समाचार पत्रों की ऐतिहासिक सुर्खियों का संरक्षण एक सराहनीय और अनुकरणीय कार्य है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान देने वाले महापुरुषों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

दो नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे: तिवारी

गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय की 35 वर्षों की यात्रा में 62 लाख से अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर देश-विदेश के प्रमुख मीडिया संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता, सुदृढ़ परीक्षा प्रबंधन और नवाचारपूर्ण पाठ्यक्रमों के लिए पहचाना जाता है। कुलगुरु ने बताया कि आगामी जुलाई सत्र से डिजिटल मार्केटिंग एवं फाइनेंशियल अकाउंटिंग के दो नए पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे, जिनमें एआई टूल्स, टैली तथा मीडिया की आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यवस्तु को शामिल किया जाएगा। उन्होंने पीजीडीसीए एवं डीसीए पाठ्यक्रमों को रोजगार में वरीयता देने तथा संबद्ध अध्ययन संस्थाओं के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करने का सुझाव भी रखा।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रायपुर से एक साथ प्रकाशित

दिनांक- 31/01/2026 पृष्ठ क्रमांक- 8 संस्करण- भोपाल प्रधान संपादक- विजय कुमार दास

अपने पुरुषार्थ और परिश्रम से, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक पुनः विश्वगुरु बनेगा भारत : परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा अत्यंत गौरवशाली रही है। ज्ञानमेव शक्ति, भारत का दृष्टिकोण है, इसे पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। भारतीय शिक्षा के दर्शन को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। शिक्षा, देश की रीढ़ होती है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें पुनः भारतीय दृष्टि से देश के प्रश्नों के समाधान करने वाले श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करने महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। देश में पहली बार, भारत केंद्रित शिक्षा के स्वर गुंजायमान हो रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विश्वमंच पर सिरमौर बनाने का राष्ट्रीय संकल्प आगे बढ़ रहा है। हमें अतीत के संघर्षों, बलिदानों और महापुरुषों के योगदान से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा, तभी भारत पुनः विश्वगुरु बन सकेगा। अपने परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। मंत्री इन्दर सिंह परमार, शुक्रवार को भोपाल स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के गणेश शंकर विद्यार्थी सभागार में, अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE Survey) 2025-26 के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ अवसर पर संबोधित कर रहे थे।

मंत्री परमार ने कहा कि आने वाला समय डाटा का है और इस सर्वेक्षण में विभिन्न संस्थानों में विद्यार्थियों का सुव्यवस्थित डाटा एकत्र कर, प्रदेश को देश भर में अग्रणी बनाने के लिए परिश्रम करने की आवश्यकता है। मंत्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत केंद्रित है और भारतीय दर्शन, मूल्यों तथा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन में प्रदेश अग्रणी है, इसके परिप्रेक्ष्य में भारतीय ज्ञान परम्परा पर व्यापक क्रियान्वयन हो रहा है। मंत्री श्री परमार ने बताया कि उच्च शिक्षा में प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा का समावेश किया गया है। मंत्री परमार ने कहा कि विकसित भारत 2047 का संकल्प, शिक्षा के मंदिरों को पुनः विश्व के सर्वोच्च ज्ञान के केंद्र बनाने का संकल्प है।

शिक्षा के मंदिरों से, वसुधैव कुटुंबकम् का भाव मजबूत होगा। मंत्री परमार ने कहा कि प्राचीन ऐतिहासिक तथ्यों, धरोहरों और परंपराओं को वर्तमान ज्ञान से जोड़कर आगे बढ़ने वाले मीडिया संस्थान जैसे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। विश्वविद्यालय द्वारा सौ वर्षों की धरोहरों पर आधारित समाचार पत्रों की ऐतिहासिक सुर्खियों का संरक्षण एक सराहनीय और अनुकरणीय कार्य है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY

भारत अपने पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर विश्व मंच पर होगा अग्रणी : परमार

● भोपाल / राज न्यूज नेटवर्क

एमसीयू में उच्च शिक्षा सर्वेक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत अपने पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर पुनः विश्व मंच पर अग्रणी बनेगा यह बात उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कही। उन्होंने कहा कि अतीत के संघर्षों, बलिदानों और महापुरुषों के योगदान से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा। मंत्री परमार ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत ऊर्जा एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनकर अन्य देशों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में भी सक्षम होगा। कार्यक्रम के प्रारंभ में दो मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मंत्री परमार ने शुक्रवार को अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2025-26 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह सर्वेक्षण उच्च शिक्षा संस्थानों के विद्यार्थियों, शिक्षकों, नामांकन, परीक्षा परिणाम, बुनियादी ढांचे और वित्तीय संसाधनों से संबंधित आंकड़े एकत्र करता है, जिनके आधार पर शिक्षा विकास के संकेतक तैयार किए जाते हैं और नीतिगत निर्णय लिए जाते हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने बताया कि एमसीयू की 35 वर्षों की यात्रा में 62 लाख से अधिक विद्यार्थी उत्तीर्ण होकर देश-विदेश के प्रमुख मीडिया संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
RAJ EXPRESS 31-01-2026
Page 4

एमसीयू में एआईएसएचई पर हुआ प्रशिक्षण

भोपाल। हमें अतीत के संघर्षों, बलिदानों, महापुरुषों के योगदान से सीख लेकर आगे बढ़ना होगा, तभी भारत पुनः विश्वगुरु बनेगा। परिश्रम और पुरुषार्थ से भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। यह बात माखनलाल चतुर्वेदी विवि (एमसीयू) में उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कही। वे अभा उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2025-26 के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन के परिप्रेक्ष्य में शुक्रवार को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ को संबोधित कर रहे थे। | पीपुल्स समाचार |

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
PEOPLES SAMACHAR 31-01-2026

अपने पुरुषार्थ से 2047 तक पुन: विश्वगुरु बनेगा भारत : परमार

उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार लोगों को संबोधित करते हुए। • नवदुनिया

नवदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल: राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत-केंद्रित शिक्षा को सशक्त करती है और भारतीय दर्शन, मूल्यों तथा वसुधैव कुटुंबकम की भावना को आगे बढ़ाती है। उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारत अपनी प्राचीन ज्ञान परंपरा, पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक पुनः विश्वगुरु बनेगा। वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (एआइएसएचई) 2025-26 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आने वाला समय डाटा का है और एआईएसएचई सर्वे के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, आधारभूत संरचना और शिक्षा वित्त से जुड़ा सटीक डाटा एकत्र कर प्रदेश को देश में अग्रणी बनाना जरूरी है। उच्च शिक्षा के प्रथम वर्ष में भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने बताया कि जुलाई सत्र से डिजिटल मार्केटिंग और फाइनेंशियल अकाउंटिंग के नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
NAVADUNIA 31-01-2026 Page 02

एमसीयू विकसित भारत 2047 में शिक्षा और मीडिया क्षेत्र में निभाएगा महत्वपूर्ण भूमिका

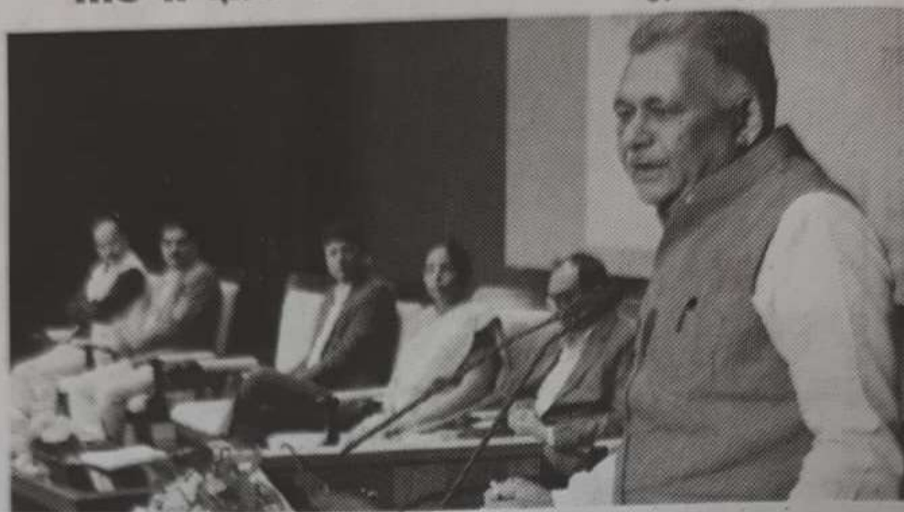

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में आयोजित अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर कहा कि एमसीयू विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि प्राचीन परंपराओं और इतिहास से सीख लेकर आधुनिक ज्ञान के साथ शिक्षा को जोड़ना आवश्यक है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा समाचार पत्रों की ऐतिहासिक सुर्खियों के संरक्षण, स्वतंत्रता आंदोलन के महापुरुषों के योगदान को याद करने और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से भारतीय मूल्यों व आत्मनिर्भरता को सशक्त बनाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने प्रदेश में शिक्षा के साथ-साथ सड़क, स्वास्थ्य, पेयजल और सिंचित क्षेत्र के विस्तार की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
DAINIK NAIDUNIA 31-01-2026 Page 04

कैंम्पस अपडेट

भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने अतीत से सीखना जरूरी : परमार

भोपाल| उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को पाने में मीडिया संस्थानों की बड़ी भूमिका होगी। वे माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण (AISHE) के प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत को फिर से विश्वगुरु बनाने के लिए अतीत के संघर्षों से सीखना जरूरी है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी ने की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के 35 वर्षों में 62 लाख विद्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और परीक्षा प्रबंधन की पहचान बनी हुई है।

NEWS CLIPPING SERVICE
FROM NALANDA CENTRAL LIBRARY
DAINIK BHASKAR 31-01-2026 Page 09

एमसीयू के एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक पुनः विश्वगुरु बनेगा भारत

■ ऊर्जा एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में वर्ष 2047 तक होगी आत्मनिर्भरता

स्वदेश संवाददाता ■ भोपाल

स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत पुनः विश्वगुरू बन जाएगा। एमसीयू में अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण पर आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ समारोह में यह कहना है उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार का। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक ऊर्जा एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर होगा। इस दौरान उन्होंने अतीत के संघर्षों, बलिदानों और महापुरुषों के योगदान से सीख लेकर आगे बढ़ने पर जोर दिया है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजय मनोहर तिवारी मौजूद थे। अपने उद्बोधन में श्री परमार ने कहा कि भारत की प्राचीन ज्ञान परम्परा अत्यंत गौरवशाली रही है। ज्ञानमेव शक्ति, भारत का दृष्टिकोण है, इसे पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। भारतीय शिक्षा के दर्शन को सही परिप्रेक्ष्य में समझने की आवश्यकता है। शिक्षा, देश की रीढ़ होती है, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें पुनः भारतीय दृष्टि से देश के प्रश्नों के समाधान करने वाले श्रेष्ठ नागरिक निर्माण करने महत्वपूर्ण अवसर प्रदान किया है। देश में पहली बार, भारत केंद्रित शिक्षा के स्वर गुंजायमान हो रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भारत केंद्रित है और भारतीय दर्शन, मूल्यों तथा वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है। वहीं कुलगुरु तवारी ने कहा कि विश्वविद्यालय शैक्षणिक गुणवत्ता, सुदृढ़ परीक्षा प्रबंधन और नवाचारपूर्ण पाठ्यक्रमों के लिए पहचाना जाता है।